

पाठ-3 ततार्रा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

मौखिक :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

1. ततार्रा-वामीरो कहाँ की कथा है ?

उत्तर- ततार्रा-वामीरो देश के उन द्वीपों की कथा है, जो आजकल 'लिटिल अंदमान' और 'कार-निकोबार' नाम से जाने जाते हैं। कहते हैं कि कभी ये दोनों द्वीप एक थे।

2. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई ?

उत्तर- वामीरो मंत्रमुग्ध होकर गाना गा रही थी कि अचानक समुद्र की एक ऊँची लहर ने उछल कर उसे भिगो दिया इससे वामीरो हड़बड़ा उठी और गाना भूल गई।

3. ततार्रा ने वामीरो से क्या याचना की ?

उत्तर- ततार्रा ने वामीरो से याचना की कि वह अपना मधुर गाना पूरा करे, बाद में उसने उसका नाम जानने और अगले दिन भी वहाँ आने की याचना की।

4. ततार्रा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी ?

उत्तर- ततार्रा और वामीरो के गाँव की यह रीति थी कि वहाँ के निवासी केवल अपने गाँव वालों के साथ ही विवाह कर सकते थे। गाँव के बाहर के किसी लड़के या लड़की से विवाह करना अनुचित माना जाता था।

5. क्रोध में ततार्रा ने क्या किया ?

उत्तर- क्रोध में आकर ततार्रा ने अपनी दैवीय तलवार से धरती को दो टुकड़ों में बाँट दिया जिससे लोग चाहें तो और भी अधिक तंगदिल होकर तथा बँटकर रह सके।

लिखित :

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

1. ततार्रा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था ?

उत्तर- ततार्रा की तलवार के बारे में लोगों का मत था कि यह तलवार लकड़ी की जरूर है, किंतु इसमें अद्भुत दैवीय शक्ति विद्यमान है। ततार्रा इस तलवार को सदा अपने साथ रखता था तथा कभी इसका प्रयोग नहीं करता था।

2. वामीरो ने ततार्रा को बेरुखी से क्या जवाब दिया ?

उत्तर- वामीरो ने ततार्रा को बेरुखी से जवाब दिया कि वह उसके कहने पर गाना क्यों गाए ? उसे पता होना चाहिए कि उनके गाँव में किसी अन्य गाँव के युवक से संबंध रखना मना है। वह खुद इतना ढीठ है कि बार-बार पूछने पर भी अपना नाम नहीं बता रहा है।

3. ततार्रा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया ?

उत्तर- ततार्रा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से उनके गाँव की पुरानी परंपरा टूट गई। लोगों के एक-दूसरे गाँव में विवाह होने शुरू हो गए। अब दोनों गाँव में आपसी विवाह हो सकते हैं।

4. निकोबार के लोग ततार्रा को क्यों पसंद करते थे ?

उत्तर- निकोबार के लोग ततार्रा को उसके साहसी और परोपकारी स्वाभाव के कारण पसंद करते थे। वह न केवल शरीर से सुंदर और शक्तिशाली था, बल्कि हर जरूरत में लोगों की सहायता किया करता था। वह अपने गाँव वालों के ही नहीं बल्कि अन्य गाँव वालों के भी काम आता था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

1. निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

उत्तर- निकोबार द्वीप के लोगों का विश्वास है कि कभी लिटिल अंदमान और

कार-निकोबार नामक दोनों द्वीप आपस में मिले हुए थे, वे एक थे। वहाँ की परंपरा थी कि एक गाँव का व्यक्ति दूसरे गाँव की लड़की से विवाह-संबंध नहीं रख सकता। ततार्रा नाम के युवक को अन्य गाँव की लड़की वामीरो से प्रेम हो गया। परंतु गाँव वालों ने मिलकर इसका विरोध किया। तब इस संकीर्ण परंपरा को तोड़ने के लिए ततार्रा ने अपनी तलवार से धरती को दो टुकड़ों में चीर दिया। तब से ये दोनों द्वीप अलग हैं।

2. ततार्रा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया ? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर- एक दिन काम करने के बाद ततार्रा समुद्र के किनारे टहलने गया। उस समय सूर्य अस्त होने वाला था। ठंडी हवाएँ चल रही थीं। पक्षियों का चहकना भी शांत हो रहा था। सूरज की अंतिम रंगीन किरणें, पानी में घुलकर स्वर्गीय सौंदर्य की रचना कर रही थीं। ततार्रा इसी प्राकृतिक सौंदर्य में डूबा हुआ था।

3. वामीरो से मिलने के बाद ततार्रा के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

उत्तर- वामीरो से मिलने के बाद ततार्रा के शांत जीवन में विक्षोभ पैदा हो गया। उसके मन में वामीरो का पागलपन सवार हो गया। वह सदा उसे अपने समीप चाहने लगा। वामीरो के बिना उसके लिए रात और दिन काटना मुश्किल हो गया। उसे एक-एक पल पहाड़ से भी अधिक भारी लगने लगा। वह शाम होते ही लपाती गाँव की सीमा पर बैठ जाता और वामीरो के आने की प्रतीक्षा करता था। वह निःशब्द होकर वामीरो को निहारता रहता था।

4. प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किये जाते थे ?

उत्तर- प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के अनोखे उपाय थे। उसमें पशु भी शामिल होते थे। पशु-पर्व के आयोजन होते थे। उसमें शक्तिशाली पशुओं का प्रदर्शन होता था तथा युवकों की शक्ति-परीक्षा के लिए उन्हें पशुओं से भिड़ाया

जाता था। वर्ष में एक मेला ऐसा होता था जिसमें सभी गाँव के लोग इकट्ठे होते थे। उसमें नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता था।

5. रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- रूढ़ियाँ होती ही बंधन हैं। 'रूढ़ि' का अर्थ है - ऐसा बंधन, जिसमें लोकहित होने के बजाय अहित होता है। जो परंपरा लोगों के विकास, आनंद और इच्छा-पूर्ति में बाधा बने, वह रूढ़ि है। ऐसी रूढ़ि का टूट जाना ही अच्छा है।

इसका कारण यह है कि मनुष्य की सारी परंपराएँ या रूढ़ियाँ मानव-विकास के लिए हैं। ऐसी परंपरा मानव से अधिक मूल्यवान नहीं है। अतः मानव-हित के लिए किसी भी बाधक रूढ़ि का टूट जाना अच्छा है।

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए -

1. जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

उत्तर - ततार्रा से अपना अकारण अपमान सहा न गया। जब वामीरो की माँ तथा उसके गाँववासियों ने उस पर लाँछन लगाया तो उसे अपमान से बचने का कोई उपाय न सूझा। उसने अपने क्रोध को शांत करने के लिए अपनी लकड़ी की तलवार में शक्ति भरी तथा उस दिव्य तलवार को पूरी शक्ति के साथ धरती में घोंप दिया। मानो वह उस धरती को धिक्कार रहा हो जिस पर उसे अपमान सहना पड़ा। उसने उस तलवार को पूरी शक्ति से खींचना शुरू किया। इससे धरती दो टुकड़ों में विभक्त हो गई।

2. बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

उत्तर- ततार्रा वामीरो को पहली ही नज़र में बहुत प्रेम करने लगा था। उसने उसे अगले दिन संध्या समय फिर से समुद्र के किनारे आने के लिए कहा था। अतः वह

छटपटाते हुए अधीरता से उसकी प्रतीक्षा कर रहा था । उसके मन में यह आशंका थी कि अगर वामीरो न आई तो क्या होगा ? इस आशंका से उसका मन काँप उठता था , परंतु साथ ही एक आशा की किरण भी थी । तताँरा को लग रहा था कि यह आशा की किरण भी उसी तरह समाप्त हो सकती है जैसे समुद्र की छाती पर बिखरे हुए रंग सूर्यास्त होने पर नष्ट हो जाते हैं ।